हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, मंगलवार, 30 सितंबर 2025

तापमान
अधिकतम 36.7 डिग्री
न्यूनतम 23.7 डिग्री

11 रामलीला में लंका दहन का मंचन, हनुमान जी ने आग..

12 पेयजल संकट गहराया: शहरवासी बेहाल ...

गाड़ी चलाते समय बरतें सावधानी : सड़क हादसों का बढ़ता ग्राफ बड़ी परेशानी

9 महीने में 450 सड़क हादसे 170 से ज्यादा लोगों की मौत

400 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हुए

औसतन हर तीसरे दिन सड़क पर किसी की जान जा रही है और हर दिन एक से अधिक लोग घायल हो रहे हैं। तेज रफ्तार, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी और सड़क पर बढ़ते वाहन हादसों की बड़ी वजह बन रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिले में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। पिछले 9 महीनों के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। तेज रफ्तार, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी और सड़क पर बढ़ते वाहन हादसों की बड़ी वजह बन रहे हैं। पुलिस और प्रशासन लगातार जागरूकता अभियान चला रहे हैं, फिर भी हर दिन कहीं न कहीं सड़क पर जिंदगी का दर्दनाक अंत हो रहा है। पुलिस विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, जनवरी से सितंबर 2025 के बीच जिले में 450 से अधिक सड़क हादसे दर्ज किए गए। इनमें से 170 से ज्यादा लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 400 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हुए। औसतन हर तीसरे दिन सड़क पर किसी की जान जा रही है और हर दिन एक से अधिक लोग घायल हो रहे हैं।

हेल्मेट और सीटबेल्ट का उपयोग करें

सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस विभाग लगातार लोगों को जागरूक कर रहा है। नागरिकों से अनुरोध है कि वे हमेशा हेल्मेट और सीटबेल्ट का उपयोग करें। यह न केवल उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि दुर्घटनाओं के जोखिम को भी काफी हद तक कम करता है। उन्होंने बताया कि विभाग समय-समय पर सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के पालन के लिए चेकिंग अभियान चला रहा है। हमारा उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं है, बल्कि लोगों को सुरक्षित चलन के प्रति सचेत करना है। एसपी ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि अगर हम सभी यातायात नियमों का पालन करेंगे, तो न केवल हमारी सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि सड़क हादसों में कमी भी आएगी। हेल्मेट और सीटबेल्ट का नियमित रूप से उपयोग करें और बच्चों को भी इस दिशा में प्रशिक्षित करें। **-नरेंद्र बिजराणिया**, एसपी रोहतक

हादसों की बड़ी वजह लापरवाही और तेज रफ्तार

पुलिस की जांच रिपोर्ट बताती है कि सड़क हादसों में सबसे बड़ी भूमिका तेज रफ्तार और लापरवाही की है। विशेषकर नेशनल हाईवे-9, रोहतक-भिवानी रोड, रोहतक-झज्जर रोड और दिल्ली बाईपास पर हादसों की संख्या सबसे ज्यादा रही। अधिकतर मामलों में ट्रक या डंपर और छोटे वाहनों की टक्कर हुई। कई हादसे बाइक सवार युवाओं के नो-हेलमेट और नशे की हालत में वाहन चलाने से हुए। पैदल राहगीर और साइकिल सवार भी सुरक्षित नहीं हैं।

हर दिन करीब 2 लाख से ज्यादा वाहन दौड़ते हैं सड़कों पर

ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि शहर में हर दिन करीब 2 लाख से ज्यादा वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं। सीमित पुलिस बल और बढ़ते वाहन हादसों को रोकने में बड़ी चुनौती बने हुए हैं। जिला प्रशासन की ओर से कई बार अभियान चलाए गए हैं। हेलमेट और सीट बेल्ट न पहनने पर चालान, ओवरलोड वाहनों की चेकिंग, नशे में वाहन चलाने वालों पर सख्ती की जा रही है। इसके बाद फिर भी हादसों के आंकड़े कम होने के बजाय बढ़ते जा रहे हैं।

समाधान की राह

- सड़क इंजीनियरिंग सुधारें-ब्लाइंड कट और खराब डिवाइडर वाले इलाकों में बदलाव।
- सख्त निगरानी-सीसीटीवी और ऑटोमैटिक स्पीड डिटेक्टर का इस्तेमाल।
- जागरूकता अभियान-स्कूली स्तर से लेकर कॉलेज तक ट्रैफिक शिक्षा अनिवार्य।
- फास्ट-ट्रैक जांच-हादसों के दोषियों पर तुरंत कार्रवाई और सजा।
- स्वास्थ्य ढांचे का विस्तार-ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे इमरजेंसी सेवाएं।

खबर संक्षेप

पार्षद के पति और दो सदस्यों ने दिया धरना

रोहतक। जिला परिषद के उपाध्यक्ष अनिल हुड्डा और पार्षद धीरज मलिक और सीमा के पति राजेश भालौठ ने सोमवार को जिला विकास भवन पर धरना दिया। इन तीनों का कहना था कि जो कार्य उन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में करवाए हैं, उनकी पेमेंट कई महीने बीत जाने के बाद भी नहीं हुई। भुगतान के लिए अधिकारी रुटिन में ठेकेदारों के चक्कर कटवा रहे हैं। बावजूद इसके पेमेंट नहीं की जा रही है। पार्षदों ने कहा कि इस तरह से पैसों की अदायगी में देरी होगी तो फिर कोई भी ठेकेदार जिला परिषद के काम नहीं करेगा। जिला परिषद की अध्यक्ष मंजू हुड्डा ने पार्षदों को आश्वासन दिया कि 2 दिन में बकाया पेमेंट करा दी जाएगी। आश्वासन मिलने के बाद पार्षदों ने धरना संपन्न कर दिया।

युवक को अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। सीआईए-1 प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि गांव खेडी साध के पास से युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान यश निवासी खेडी साध के रुप में हुई। युवक के पास से एक देसी पिस्तौल बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ आईएमटी थाना में केस दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।

जेपी सैनी बने सैनी धर्मशाला के प्रशासक

रोहतक। चमनपुरा स्थित सैनी धर्मशाला के प्रशासनिक मामलों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए जिला रजिस्ट्रार, फर्म्स एंड सोसाइटीज़, रोहतक द्वारा सेवानिवृत्त सहायक पोस्टमास्टर जनरल, जय प्रकाश सैनी को प्रशासक नियुक्त किया गया है। यह आदेश सोमवार को जारी किए गए। आदेश के अनुसार, सैनी धर्मशाला का पंजीकरण वर्ष 1992 में हुआ था और 2014 में इसका पुनः पंजीकरण किया गया था। तीन वर्षों की अवधि वाली इसकी गवर्निंग बॉडी का कार्यकाल समाप्त हो चुका है।

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभावशाली व्याख्यान

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के सेंटर फॉर डिसेबिलिटी स्टडीज़ द्वारा सोमवार को मानसिक स्वास्थ्य विषय पर एक विशेष विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. आर एल दहिया रहे, जिन्होंने अपने सारगर्भित विचारों से उपस्थितजनों को गहराई से प्रभावित किया। प्रो. आर. एल. दहिया ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता ही नहीं बल्कि पूरे समाज की प्रगति और सामूहिक कल्याण का आधार है।

विश्व हृदय दिवस पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

रोहतक। उपमंडल नागरिक अस्पताल कलानौर में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. कमला वर्मा की अध्यक्षता में विश्व हृदय दिवस का आयोजन किया गया। यह दिवस प्रत्येक वर्ष 29 सितंबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य जनता को हृदय संबंधी बीमारियों के बारे में जागरूक करना और इनसे बचाव के उपाय बताना है। डॉ. कमला वर्मा ने बताया कि हार्ट बीट को मिस न करें इस वर्ष का थीम है। तंबाकू और शराब का सेवन, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह, मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता और अनुचित आहार से हृदय रोगी बढ़ रहे हैं।

निगम ने चलाया सफाई अभियान नागरिकों को दिया स्वच्छता संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर की स्वच्छता और सौंदर्यकरण को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा लगातार विशेष सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं।

सोमवार को अभियान के दौरान भगत सिंह पार्किंग, झज्जर रोड, गौकरण तालाब और आसपास के क्षेत्र, पराना बस स्टैंड से लेकर अग्रसेन पुल तक सफाई करवाई गई। अभियान का उद्देश्य नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाना है। सफाई अभियान के दौरान दुकानदारों, वाहन चालकों और स्थानीय नागरिकों को कूड़ा इधर-उधर न फैलाने और डस्टबीन का उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया।

नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, विशेषकर त्योहारी सीजन को देखते हुए सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

जवानों को दी गई सीवीआर तकनीक की ट्रेनिंग

रोहतक। पुलिस लाइन में सोमवार को एक अहम प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस जवानों को सीपीआर (कार्डियक पल्मोनरी पुनरुत्थान) तकनीक की व्यावहारिक ट्रेनिंग दी गई। इस जीवनरक्षक प्रशिक्षण का संचालन सीपीआर ट्रेनर राजबीर तथा पुलिस लाइन अस्पताल के फार्मासिस्ट हरेन्द्र ने संयुक्त रूप से किया। प्रशिक्षण में मौजूद जवानों को सबसे पहले सीपीआर का सिद्धांत व उसके महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। राजबीर ने बताया कि कार्डियक अरेस्ट किसी को भी-किसी भी स्थान पर-कभी भी प्रभावित कर सकता है: पार्क, बाजार, सड़क या विद्यालय सभी जगहें जोखिम में हैं। ऐसे समय में सही और शीघ्र सीपीआर ही पीड़ित को जीवनदान दे सकती है।

कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन हरियाणा की सभा में नई कार्यकारिणी गठित

डॉ. प्रदीप कुमार अध्यक्ष और डॉ. भूपेश यादव महा सचिव निर्वाचित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

हरियाणा के गवर्नमेंट एडीड कॉलेज शिक्षकों की प्रतिष्ठित संस्था कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन (सीटीए) की वार्षिक सभा का अयोजन किया गया। इस सभा की अध्यक्षता संगठन के निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. विकास चाहर ने की। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में कॉलेज शिक्षक उपस्थित रहे, जिससे सभा को राज्य-स्तरीय प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ। सभा के प्रारंभ में डॉ. विकास चाहर ने उपस्थित सदस्यों का हार्दिक स्वागत करते हुए अपने कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों तथा वित्तीय विवरण को साझा किया। उन्होंने शिक्षकों की पदोन्नति, सेवा शर्तों में पारदर्शिता, और राज्य सरकार के समक्ष विभिन्न मुद्दों के प्रभावी प्रस्तुतीकरण जैसे विषयों पर किए गए प्रयासों का उल्लेख किया। डॉ. चाहर ने कहा कि एसोसिएशन शिक्षकों की आवाज़ को न केवल शासन-प्रशासन तक पहुंचाने में सफल रही, बल्कि कई नीतिगत निर्णयों में भी शिक्षकों की भूमिका को मजबूती दिलाने में अग्रणी रही है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों, सदस्यों और प्रदेशभर के शिक्षकों को निरंतर सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। सभा में उपस्थित सदस्यों ने नई गवर्निंग बॉडी के गठन हेतु चुनाव प्रक्रिया को आरंभ करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके पश्चात डॉ. जितेन्द्र कुमार (सहायक प्राध्यापक, एनबीजीएसएम कॉलेज, सोहना) को रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ.) नियुक्त किया गया।

समाधान शिविर में अधिकारियों ने सुनी लोगों की समस्याएं

रोहतक। लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविर आयोजित किया गया। समाधान शिविर में नगराधीश अंकित कुमार व जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल ने नागरिकों की शिकायतें सुनी तथा मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन शिकायतों के निपटारे के निर्देश दिए। अंकित कुमार ने कहा कि अधिकारी समाधान शिविर की शिकायतों के निपटारे की मौके पर प्रक्रिया शुरू करें तथा यथाशीघ्र उचित समाधान किया जाए।

एमडीयू कार्यकारी परिषद की 301वीं बैठक

शिक्षा-शोध उत्थान को मिली नई दिशा

शैक्षणिक विस्तार, शोध प्रशासनिक सुधार, सेवा सुरक्षा और छात्रों के कौशल विकास पर निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय में सोमवार को आयोजित कार्यकारी परिषद की 301वीं बैठक में शैक्षणिक उत्थान, शोध संवर्धन और प्रशासनिक सुधार से जुड़े कई ऐतिहासिक फैसले लिए गए। शिक्षकों की पदोन्नति, डीएससी डीलिट कार्यक्रम, नई पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप, विद्यार्थियों के कौशल विकास हेतु एमओयू और कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा जैसे निर्णय विश्वविद्यालय की प्रगति को नई दिशा देंगे। कार्यकारी परिषद की बैठक कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। कुलसचिव डॉ कृष्णकांत ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। बैठक में लिए गए निर्णयों से विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विस्तार, अनुसंधान संवर्धन, प्रशासनिक सुधार और विद्यार्थियों के कौशल विकास को नई गति मिलेगी।

शिक्षकों की पदोन्नति और अनुसंधान का विस्तार

बैठक में चयन समिति की अनुशंसा पर 19 प्राध्यापकों को एसोसिएट प्रोफेसर एवं प्रोफेसर पद पर पदोन्नति दी गई। कुलपति ने कहा कि प्रमोशन के बचे हुए मामलों को भी जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। सरकारी सहायता प्राप्त एवं निजी महाविद्यालयों में शिक्षकों की समयबद्ध पदोन्नति सुनिश्चित करने के लिए मानक कार्यप्रणाली को भी मंजूरी दी गई।

कौशल विकास व रोजगार क्षमता के लिए एमओयू

बैठक में विद्यार्थियों की स्किल्स और एम्प्लॉयबिलिटी बढ़ाने के उद्देश्य से कई संस्थाओं के साथ एमओयू को मंजूरी दी गई। इनमें रुहिल फ्यूचर टेक्नोलॉजीज, सीएसआर बॉक्स (आईबीएम स्किल बिल्ड) और नैसकॉम आईटी आईटीईएस सेक्टर स्किल्स काउंसिल शामिल हैं। होटल एवं पर्यटन प्रबंधन के विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण और रोजगार अवसर सुनिश्चित करने हेतु आईटीसी क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब के साथ भी एमओयू पर सहमति बनी।

हरियाणा की सब-जूनियर लड़कियां छाईं

बॉल बैडमिंटन नेशनल में जीता रजत पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

हरियाणा की बेटियों ने बॉल बैडमिंटन नेशनल प्रतियोगिता 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। डिंडीगुल (तमिलनाडु) में 24 से 28 सितंबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में हरियाणा की सब-जूनियर लड़कियों की टीम ने दूसरा स्थान हासिल कर सिल्वर मेडल अपने नाम किया। खास बात यह रही कि 71 साल के इतिहास में पहली बार नॉर्थ जोन से किसी टीम ने मेडल जीतने की उपलब्धि हासिल की है। महासचिव सुनील कुमार ने कहा कि यह उपलब्धि हरियाणा की खेल संस्कृति और बेटियों की मेहनत को दर्शाती है। आने वाले समय में टीमें भी बड़ी कामयाबियां हासिल करेंगी।

परिणाम

- टीम इवेंट (सब-जूनियर गर्ल्स) हरियाणा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- मिक्स्ड डबल्स में खिलाड़ी रुद्र अहलावत, मन्नू और वन से साहरण ने सिल्वर मेडल जीता।
- डबल्स में खिलाड़ी जानवी, तमन्ना और जिया ने भी सिल्वर मेडल हासिल किया।

आरोप | **एग्जाम ड्यूटी लगाने वाले शिक्षक को कुछ महीने पहले ही नए पद का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा था**

एमडीयू आईएचटीएम परीक्षा केंद्र में बेटी-भतीजी के एग्जाम में बाहरी व्यक्ति ने दी ड्यूटी, गड़बड़ी का अंदेशा

अमरजीत एस गिल ▶▶ रोहतक

नीट इस देश की सबसे कड़ी और अहम परीक्षा होती है। थोड़ी सी चूक या व्यक्तिगत रुचि लाखों बच्चों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगा देती है। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में पिछले दिनों ये परीक्षा आयोजित की गई। लेकिन इसकी शुचिता पर सवालियां निशान लग गए हैं। यूनिवर्सिटी के एक अधिकारी ने अंदरखाने मामले की जांच करवाई तो पाया गया कि आईएमएचटीएम परीक्षा केंद्र में एक ऐसा व्यक्ति ड्यूटी दे रहा था, उसका यूनिवर्सिटी का उससे कोई वास्ता नहीं था। यानी कि वह विश्वविद्यालय का कर्मचारी नहीं था। ड्यूटी देने वाले व्यक्ति की बेटी-भतीजी नीट- 2025 का एग्जाम दे रहे थी। इतना ही नहीं वह परीक्षा केंद्र में मोबाइल तक ले गए। परीक्षा में ऐसे किसी भी व्यक्ति की ड्यूटी पूरी तरह से वर्जित होती है, जिसका कोई नजदीकी रिश्तेदार एग्जाम दे रहा हो। ये आरोप सोमवार को शिक्षक संघ के प्रधान डॉ. विकास सिवाच और छात्र नेता प्रदीप देशवाल ने लगाए हैं।

रोहतक। क्षिक संघ कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते शिक्षक संघ के प्रधान डॉ. विकास सिवाच और छात्र नेता प्रदीप देशवाल। फोटो : हरिभूमि

जारी की सीडी

डॉ. सिवाच और देशवाल ने बकायदा परीक्षा से संबंधित कुछ फोटो भी सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस में साझा किए। गौरतलब है कि जिस शिक्षक पर गलत ड्यूटी लगाने के आरोप हैं उसने कुछ महीने पहले ही विश्वविद्यालय के लिए अतिरिक्त कार्यभार संभाला है। कार्यभार के एक महीने के अंदर ही उन्होंने नीट परीक्षा की शुचिता को भंग कर दिया। ये आरोप देशवाल का है। ध्यान रहे कि नौ साल बाद एनटीए ने रोहतक जिले में नीट एग्जाम के परीक्षा केंद्र बनाए थे। इनमें एमडीयू भी शामिल था। सूत्रों के मुताबिक जिस व्यक्ति की नीट ड्यूटी लगाई गई थी, वह यूनिवर्सिटी का कर्मी नहीं था। हालांकि उसने दो जगहों पर लैक्चरर वगैरह जरूर दिए। लेकिन इसके एवज में पेमेंट नहीं हुई थी। बताया जा रहा है कि इन्हें यूनिवर्सिटी में किसी पद पर लगाने की तैयारी की जा रही थी। लेकिन मामला सीएम ऑफिस तक पहुंचा तो बीच में ही अटक गया।

मोबाइल पर बात करते दिखाई दिया

शिक्षक संघ कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में प्रदीप देशवाल ने नीट की परीक्षा के दौरान की कुछ तस्वीरें भी जारी की हैं जिनमें एक संदिग्ध व्यक्ति मोबाइल लेकर परीक्षा केंद्र में घूमता नजर आ रहा है। इससे इस परीक्षा केंद्र पर हुई परीक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। नीट परीक्षा में जहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता वहां मोबाइल फोन सहित कोई व्यक्ति कैसे पहुंच सकता है।

आरोप पूर्णतः निराधार, भ्रामक एवं तथ्यहीन: मदवि प्रशासन

यूनिवर्सिटी की तरफ से सोमवार देर रात को जारी किए गए बयान में बताया गया है कि नीट परीक्षा पूरी तरह से राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा संचालित की गई थी। इसका आयोजन पूर्णतः जिला प्रशासन की देखरेख में हुआ। एमडीयू प्रशासन, की इस प्रक्रिया में कोई भूमिका नहीं थी। परीक्षा संचालन के लिए एनटीए द्वारा ही विश्वविद्यालय के तत्कालीन एसोसिएट कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन प्रो. राहुल ऋषि को सिटी कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया था। एमडीयू परिसर में बनाए गए आठ परीक्षा केंद्रों की समस्त व्यवस्थाएं एनटीए द्वारा जिला प्रशासन की निगरानी में की गई थीं। प्रदीप देसवाल एवं उनके सहयोगियों द्वारा की गई प्रेस वार्ता में एमडीयू प्रशासन, कुलपति एवं अन्य अधिकारियों पर लगाए गए आरोप पूर्णतः निराधार, भ्रामक एवं तथ्यहीन हैं।

विशेष: विजय दशमी-गांधी जयंती

श्रीराम के संपूर्ण जीवन से दृष्टिगत होता है कि वे स्त्रियों के मान-सम्मान के समर्थक-रक्षक थे। श्रीराम के अनन्य भक्त महात्मा गांधी उनके आदर्शों के अनुगामी थे, समाज में स्त्रियों को मान-सम्मान और समान अधिकार देने के पक्षधर थे। विजय दशमी-गांधी जयंती के अवसर पर स्त्रियों के संदर्भ में श्रीराम और महात्मा गांधी के आदर्शों का एक विवेचन।

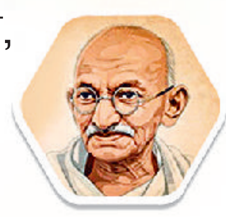

समाज में हो स्त्रियों का मान-सम्मान

आवरण कथा

डॉ. मोनिका शर्मा

मर्यादित जीवन और लोक कल्याणकारी नीतियों के लिए मान पाने वाले प्रभु श्रीराम की हर सीख स्त्रियों के लिए सुरक्षित परिवेश बनाती है। मानवीय संवेदनाओं से भरा श्रीराम का व्यवहार हर महिला को सम्मानजनक पारिवारिक माहौल देने की शिक्षा देता है। वहीं समानता और अहिंसा के समर्थक बापू का जीवन भी स्त्रियों की जिंदगी सहज करने वाले कई पाठ लिए है। असल में स्त्रियों के सपने और आशाएं सुरक्षा, सम्मान, समानता और मर्यादित माहौल में ही पूरे हो सकते हैं। महिलाओं का निर्भय मन ही कामयाबी की उड़ान भर सकता है। घर हो या दफ्तर, संयत-अनुशासित परिवेश ही सफलता की राह पर उन्हें कदम बढ़ाने का हौसला देता है। बराबरी के भाव से हर महिला का मनोबल बढ़ता है। प्रभु श्रीराम जैसे समर्पित जीवनसाथी हों या महात्मा गांधी के समान बहू-बेटियों को आगे बढ़ाने वाले वरिष्ठजन, जरूरी है कि समानता के भाव से भरा मर्यादित परिवेश बनाने के लिए समग्र समाज आगे आए।

पारिवारिक अपनेपन का भाव: प्रभु श्रीराम के व्यक्तित्व में परिवार से गहरा जुड़ाव दिखता है। सच्चे जननायक मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम का यह जुड़ाव मां कैकेयी द्वारा उनके लिए वनवास मांगे जाने पर भी बना रहा। सदाचारी सोच में समाई उनकी सहजता में अपनी माता के प्रति ही नहीं, मातृशक्ति के प्रति मान का भाव दिखता है। हमारे यहां आज भी महिलाओं को घर-परिवार में अपनेपन का माहौल नहीं मिलता। इन परिस्थितियों में महिलाएं अपनी योग्यता और क्षमता का सही इस्तेमाल नहीं कर पातीं। मन की पीड़ा कहने का अवसर नहीं मिलता। अपने सपनों को साकार करने की बात अपनों से कहने में भी हिचकिचाहट होती है। शारीरिक ही नहीं, बहुत-सी स्वास्थ्य समस्याएं भी अपनेपन के अभाव से ही घेरती हैं। ऐसे में पारिवारिक परिवेश में संवेदनाएं सींचने और संबंधों में निश्छल प्रेम को पोसने के लिए भगवान श्रीराम का जीवन सार्थक दिशा देता है। यह सकारात्मक दिशा, स्त्री जीवन की दशा बदलने के लिए बहुत आवश्यक है। इसी बदलाव की बदौलत समानता का भाव पनपता है। यही समान भाव रखने की सीख बापू ने भी दी है। महात्मा गांधी का कहना था, 'स्त्रियां पुरुषों की प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं। महिलाओं और पुरुषों में आत्मा एक ही है और उनकी समस्याएं भी एक जैसी हैं। महिला और पुरुष एक-दूसरे के पूरक हैं।' परिवार में स्त्रियों के प्रति अपनत्व और आत्मीयता का यह बर्ताव, उनकी बेहतरी से गहराई से जुड़ा है।

सम्मान और मर्यादित बर्ताव

रावण के अहंकार को अपनी विनम्रता से पराजित करने वाले भगवान श्रीराम ने नारी शक्ति को सदैव सम्मान दिया। रघुनंदन श्रीराम ने स्त्रियों के साथ मर्यादित व्यवहार करने के उपदेश ही नहीं दिए बल्कि अपने जीवन में भी अपनाया। जीवनसंगिनी सीता हों या माता कौशल्या, कैकेयी, सुमित्रा। प्रेम भाव रखने वालीं परम भक्त शबरी हों, पत्थर बनने का श्राप पाने वाली देवी अहिल्या हों या राक्षस कुल में जन्मी शूर्पनखा। उनके शब्दों और व्यवहार में सभी के प्रति आदरभाव ही प्रकट हुआ। नारी को सृजन शक्ति के रूप में देखने वाले प्रभु श्रीराम ने स्वयं मां आदिशक्ति की उपासना की।

अहंकारी स्वभाव से बचने का संदेश: श्रीराम की विजय और रावण की पराजय के रूप में दशहरे का पर्व अहंकारी स्वभाव से बचने का भी संदेश देता है। हमारे सामाजिक-पारिवारिक परिवेश में पुरुषों के अहंकार का दंश स्त्रियां ही सबसे अधिक झेलती हैं। यह दंभ महिलाओं के लिए बोली जाने वाली भाषा से लेकर उन्हें हर मामले में कम आंकने के बर्ताव तक अपनी मौजूदगी रखता है। यही वजह है कि महिलाओं के प्रति सभ्य बर्ताव की सीख महात्मा गांधी ने भी दी है। जैसे भगवान श्रीराम ने देवी अहिल्या को श्राप से मुक्त किया, वैसे ही बापू ने भी पर्दा प्रथा, अशिक्षा, बाल-विवाह और दहेज जैसी कुरीतियों के श्राप से महिलाओं को मुक्ति दिलाने का आह्वान किया। महात्मा गांधी ने पुरुषों के अभिमान को पोसने और दबकर रहने के बजाय स्त्रियों को अपनी शक्तियां पहचानने को प्रेरित किया। सशक्त और स्वतंत्र अस्तित्व गढ़ने की राह दिखाई। समझना आवश्यक है कि सम्मान और मर्यादित बर्ताव महिलाओं की बहुत-सी समस्याओं का हल है।

स्त्रियों का साथ दे समाज: किसी संकट, अपमानजनक स्थिति या आपराधिक घटना का शिकार होने पर स्त्रियां अकेली पड़ जाती हैं। अपने हों या पराए, सभी दोषारोपण करने लगते हैं। समग्र समाज महिलाओं पर ही सवाल उठाने लगता है। पीड़ादायी परिस्थितियों में जीवनसाथी तक मुंह मोड़ लेते हैं। ऐसे में असत्य पर सत्य की विजय का पर्व दशहरा स्त्रियों के मान को ठेस पहुंचाने वाले लोगों के विरुद्ध एकजुट होने का भी संदेश देता है। रावण द्वारा एक स्त्री यानी माता सीता के अपमान का दंड देने के लिए ही प्रभु श्रीराम ने रावण से युद्ध किया। सही और गलत का फर्क समझते हुए उनका साथ स्वयं रावण के भाई विभीषण ने भी दिया। पत्नी मंदोदरी ने भी रावण को सीता हरण के लिए अपनी गलती मानने और स्त्रीशक्ति के प्रति सम्मान का भाव रखने को ही कहा। व्यावहारिक रूप से समाज और परिवार में यह महिलाओं के समर्थन में खड़े होने की सोच नदारद ही रही है। घर हो या बाहर, स्त्रियां भी पीड़ित महिला के पक्ष में खड़ी नहीं होतीं। यह महिलाओं के मान को ठेस पहुंचाने वाला ही नहीं, उनका मनोबल तोड़ने वाला बर्ताव भी है। जबकि गांधीजी ने कहा था कि समाज की उन्नति महिलाओं के सम्मान-सुरक्षा पर निर्भर करती है। बापू ने न केवल महिलाओं के प्रति हिंसा और अन्याय का मुखर विरोध किया बल्कि समाज से भी आधी आबादी के समर्थन में आवाज उठाने का आह्वान किया। बापू का कहना था, 'स्त्री और पुरुष एक-दूसरे के पूरक हैं। आपसी सहयोग के बिना दोनों का अस्तित्व असंभव है।' इसका मतलब ही है कि हर परिस्थिति में स्त्रियों को जीवन साथी का सहयोग मिलना चाहिए। समाज को हर भेदभाव से परे उनकी भूमिका समझनी चाहिए। जीवन के हर उतार-चढ़ाव में परिजनों को उनका साझीदार बनना चाहिए। खासकर किसी परेशानी के दौर में 'जजमेंटल' हुए बिना स्त्रीमन को समझा जाना चाहिए।

बच्चों को बताएं दशहरे का संदेश

हमारे पर्व हमें कोई ना कोई बड़ा संदेश जरूर देते हैं, हमें जीवन में सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। दशहरा का पर्व भी हमें अन्याय ना सहने और सत्यता, नैतिकता के पथ पर चलने का संदेश देता है। हम अपने बच्चों को दशहरे का संदेश बताएं और उन्हें संस्कारवान बनाएं।

परवरिश

सरस्वती रमेश

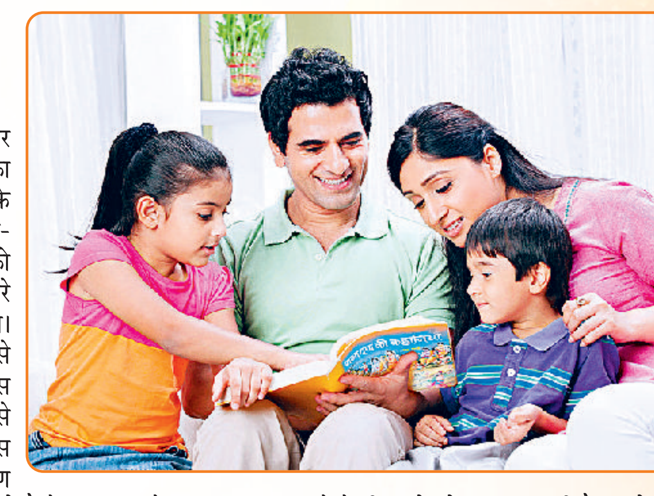

दशहरा, बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है। इसे मनाने के पीछे एक गहरा संदेश छिपा हुआ है- हम अच्छाई यानी सत्य के मूल्यों को अपने जीवन में उतारें ताकि हमारे जीवन में अच्छाई की रोशनी फैले। जीवन की शुरुआत बाल्यकाल से होती है। सवाल है कि अच्छाई के इस प्रकाश से अपने नन्हे-मुन्नों को कैसे परिचित कराएं? उनके जीवन में इस प्रकाश को कैसे उतारें? उन्हें रावण दहन और विजय दशमी के महत्व को कैसे बताएं? जानें-

कहानी के माध्यम से बताएं: बच्चों को कहानियां बहुत भाती हैं। इनसे वे बहुत प्रभावित होते हैं। कहानी के जरिए हम उन्हें कठिन से कठिन बात को सरलता से समझा सकते हैं। हम जानते हैं, महान लोगों की जीवनी से लेकर, महत्वपूर्ण घटनाओं तक को कहानी का रूप देकर बच्चों को उनकी पाठ्य-पुस्तकों में समझाया जाता है। बच्चे कहानी के पात्रों को अपना नायक समझने लगते हैं। उनसे प्रेरित होकर, उन जैसा बनने का प्रयास करते हैं। इसलिए कहा जाता है, बचपन में बच्चों को वीर और महान लोगों की कहानियां सुनानी चाहिए। दशहरे पर भी उन्हें श्रीराम के जीवन से जुड़ी प्रेरक कथाओं को सुनाएं। उन्हें बताएं कि श्रीराम एक आज्ञाकारी पुत्र थे। साथ ही वे धैर्यवान, वीर, साहसी थे, सभी से प्रेम भी करते थे। श्रीराम के साथ ही भरत, लक्ष्मण और हनुमान की कहानियां भी प्रेरणादाई हैं, इन्हें भी बच्चों को सुनाएं।

दशहरे का मतलब समझाएं: दशहरा तो हम सभी मनाते हैं, लेकिन अकसर यह देखा जाता है, माता-पिता अपने बच्चों को त्योहार को मनाने के पीछे का संदेश बताना भूल जाते हैं। इस बार जब दशहरा मनाएं तो अपने बच्चों को इसका महत्व जरूर बताएं। रावण बुराई का प्रतीक है। इसलिए हर वर्ष उसका पुतला दहन किया जाता है, लेकिन बुराई तो हम सबके भीतर भी रहती है। इसे कैसे नष्ट किया जाए। इस बारे में भी बच्चों को बताना जरूरी है। बच्चों को यह अहसास कराना जरूरी है कि अपने भीतर की बुराइयों को प्रयासपूर्वक ही समाप्त किया जा सकता है। एक अच्छा और नेक इंसान बना जा सकता है।

बुराइयां खत्म करने के तरीके: दशहरा हमारे भीतर की बुराइयों को खत्म करने का प्रतीक है। बच्चों को इन बुराइयों से बचाकर ही संस्कारवान बनाया जा सकता है। यदि बच्चों को संस्कारवान बनाना है तो बचपन से ही उनमें अच्छी आदतें डालनी होंगी। इसके लिए जरूरी है, पहले उनके अंदर की बुराइयों को बाहर किया जाए। इस दशहरे पर अपने बच्चों से पूछें कि उन्हें अपनी कौन-सी बुरी आदत से छुटकारा पाना है? उन्हें कागज पर लिखने के लिए कहें कि वे इन बुरी आदतों से क्यों छुटकारा पाना चाहते हैं? फिर उन्हें छुटकारे के तरीके सुझाएं और उस पर अमल करने को कहें। लिखने से उन्हें गलत बातों से होने वाले नुकसान के बारे में गहराई से पता चलेगा और वे उनसे बचने के उपाय भी अपनाएंगे। इसी तरह उनके भीतर अच्छी आदतों को भरने के लिए नए-नए आइडिया सुझाएं। समय-समय पर गलत आदतों से होने वाले नुकसान के बारे में भी सचेत करें।

याद रखिए, त्योहारों को मनाने की सार्थकता तभी है, जब उससे हमारा समाज बेहतर बन सके। समाज तभी अच्छा बनेगा, जब हमारे बच्चे संस्कारवान, ईमानदार और सच्चाई की राह पर चलेंगे।

फिटनेस फंडा

सोनल पंवार

इन दिनों एंड टीवी के शो 'हप्पू की उलटन-पलटन' में इंस्पेक्टर मलिका का किरदार निभा रहीं सोनल पंवार न सिर्फ एक्टिंग में माहिर हैं, बल्कि फिटनेस के मामले में भी पूरी तरह से डिसिप्लिन में रहती हैं। इसके लिए वह क्या करती हैं, सहेली को सोनल बता रही हैं अपनी जुबानी।

जरूरी है वर्कआउट मेंटल वेलनेस में बैलेंस

मेरा मानना है कि एक एक्ट्रेस के लिए सिर्फ खूबसूरत दिखना ही नहीं, बल्कि अंदर से एनर्जेटिक और पॉजिटिव रहना भी बहुत जरूरी है।

इसके लिए मैं डेली वर्कआउट और अपनी डाइट पर फोकस करती हूं। हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए टाइम निकालना मेरे लिए बहुत जरूरी है क्योंकि इससे मेरी मेंटल हेल्थ भी सही रहती है।

फिटनेस है जरूरी: मेरे विचार में अच्छी लाइफ के लिए हेल्दी और फिट रहना बहुत जरूरी है। फिटनेस मुझे पॉजिटिव सोच, कॉन्फिडेंस और जीवन का पूरा आनंद लेने की शक्ति देता है। लंबी शूटिंग और एक्शन सींस के दौरान एनर्जी बनाए रखना तभी मुमकिन है, जब आपकी बॉडी स्ट्रॉन्ग हो।

फिटनेस आइडियल: मेरा फिटनेस आइडियल मेरे पापा और भाई हैं, जो आर्मी बैकग्राउंड से हैं। बचपन से ही मैंने उन्हें फिटनेस, अनुशासन और समय की पाबंदी के साथ रहते देखा है। उनका रूटीन और डेडिकेशन मुझे हमेशा मोटिवेट करता है। वो चाहे किसी भी कंडीशन में हों, उनका सेल्फ कंट्रोल और एनर्जी लेवल कमाल का होता है। मेरे लिए वही असली रोल मॉडल हैं।

हेल्दी-एनर्जेटिक होना जरूरी: मेरे लिए स्लिम-ट्रिम दिखने से ज्यादा इंपॉर्टेंट है खुद को हेल्दी, फिट और एनर्जेटिक महसूस करना। कैमरे पर तो मेकअप मदद कर देता है, लेकिन स्टेमिना और फुर्ती सिर्फ संतुलित आहार और ट्रेनिंग से आती है। जब आप अंदर से हेल्दी रहते हैं तो सेल्फ कॉन्फिडेंस अपने आप चेहरे पर झलकने लगता है।

डाइट प्लान: मैं दिन की शुरुआत भीगे हुए बादाम खाने से करती हूं। नाश्ते में आमतौर पर ऑमलेट-ब्रेड या ओट्स लेती हूं। मेरे लंच में चावल, दाल, हरी-सब्जी और सलाद शामिल होता है। रात का खाना हल्का लेती हूं, जैसे- रोटी, ग्रिल्ड पनीर, सूप या खिचड़ी। साथ ही दिनभर में ढाई-तीन लीटर पानी पीती हूं।

वर्कआउट शेड्यूल: मैं हफ्ते में चार दिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और दो दिन कार्डियो करती हूं। सेशन से पहले 15 मिनट की डायनेमिक स्ट्रेचिंग जरूर करती हूं। रोज 20 मिनट कुछ योगासन और प्राणायाम कर लेती हूं। शूट वाले दिन अगर जिम नहीं जा पाती तो सेट पर ही 10,000 स्टेप्स वॉक और रेजिस्टेंस बैंड वर्कआउट कर लेती हूं।

इन्हें भी करती हूं फॉलो: वीक में एक दिन इंटरमिटेंट फास्टिंग रखती हूं, जिससे शरीर डिटॉक्स हो। अकसर लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों से फ्लोर चढ़ती-उतरती हूं। आउटडोर सीन के बीच-बीच में स्क्वैट्स या प्लैंक्स कर लेती हूं। डांस वर्कशॉप्स भी जॉइन करती रहती हूं, क्योंकि म्यूजिक के साथ डांस तन-मन दोनों को तरोताजा कर देता है।

मेंटली फिट: मैं मेंटली फिट रहने के लिए दिन में कम से कम दस मिनट तक ध्यान करती हूं और शूट से पहले पांच गहरी सांसें लेकर माइंडफुलनेस प्रैक्टिस करती हूं। सोशल मीडिया ब्रेक और किताबें पढ़ना मेरे दिमाग को आराम देते हैं। परिवार के साथ समय बिताना भी मेरे लिए थेरेपी की तरह है।

ग्लो पाने के लिए योगाभ्यास: चेहरे की चमक बरकरार रखने के लिए रोजाना कपालभाती, भ्रामरी और फेस योगा करती हूं। सूर्य नमस्कार करने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है और त्वचा में नेचुरल ग्लो आता है। डेली पूरी नींद लेती हूं, क्योंकि अच्छी नींद से फेस ग्लो करता है।

प्रस्तुति: सहेली फीचर्स

हेयर केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

बालों की कई समस्याएं करे दूर मुलेठी

बालों का कमजोर होना, झड़ना, रूसी और उम्र से पहले बालों के सफेद होने जैसी समस्याओं को लेकर कई महिलाएं परेशान रहती हैं। कुछ घरेलू उपचार से इन सभी समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। आप चाहें तो बालों की इन समस्याओं के लिए मुलेठी पावडर को अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपके बाल और भी ज्यादा हेल्दी और शाइनी हो जाएंगे।

डेंड्रफ के लिए : डेंड्रफ की प्रॉब्लम दूर करने के लिए सबसे पहले कांच के जार में एक चम्मच मुलेठी पावडर, आधा चम्मच नीबू का रस और एक चम्मच शहद को अच्छी तरह मिलाएं। इस तरह तैयार पेस्ट को अपने सिर और बालों में लगा लें। आप इसे हफ्ते में दो बार लगा सकती हैं। मुलेठी में एंटी बैक्टीरियल गुण होते है, जिसके कारण यह डेंड्रफ की प्रॉब्लम को दूर करता है।

हेयर फॉलिंग : बाल झड़ना यानी हेयर फॉल या बाल्डनेस की प्रॉब्लम के लिए भी आप मुलेठी पावडर को अप्लाई कर सकती हैं। सबसे पहले कांच के बर्तन में एक चम्मच मुलेठी पावडर, कुछ केसर के धागे और 1 कप दूध या दही डालकर इसे अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब इसे रात के समय अपने बालों पर लगाएं और शॉवर कैप से बालों को कवर करके सो जाएं। सुबह आप अपने बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें।

हेल्दी हेयर के लिए: हेल्दी हेयर के लिए हेयर मास्क काफी इफेक्टिव माना जाता है। इसे बनाने के लिए कांच के बाउल में आधा पका केला, 2 चम्मच मेहंदी पावडर और 1 चम्मच मुलेठी पावडर को अच्छे से मिलाकर पेस्ट बना लें। अब पेस्ट को बालों पर 45 मिनट तक लगाने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। बेजान और कमजोर बालों के लिए एक कटोरे में पांच चम्मच मुलेठी पावडर, 1 कप दही और 2 चम्मच जैतून का तेल डालकर इसे अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट बना लें। अब पेस्ट को अपने सिर और बालों पर अच्छी तरह लगाकर, आधे घंटे बाद बालों को ताजे और साफ पानी से धो लें, इससे आपके बालों को भरपूर मजबूती मिलेगी।

सफेद बाल: असमय बालों की सफेदी रोकने के लिए मुलेठी पावडर और थोड़ी मात्रा में सरसों के तेल को मिलाकर, इसे अपने बालों पर लगा लें। यह आपके हेयर फॉल की प्रॉब्लम के साथ बालों में आई असमय सफेदी को भी कम करता है।

दायित्व

यशोधरा भटनागर

बुजुर्ग हमारे परिवार के मूलाधार होते हैं। बावजूद इसके बहुत से वृद्धजन उपेक्षित, एकाकी जीवन गुजारने को बाध्य होते हैं। जरूरी है, हम उनकी महत्ता को समझें, उनका सम्मान करें।

परिवार की अनमोल धरोहर हैं हमारे बुजुर्ग

परिवार केवल चार दीवारों से बना मकान नहीं होता, बल्कि भावनाओं, रिश्तों और संस्कारों का जीवंत संसार होता है। इस घर-संसार की सबसे अनमोल धरोहर होते हैं परिवार के बुजुर्ग, जो अपने श्रम, त्याग और अनुभव से घर की नींव मजबूत करते हैं और आने वाली पीढ़ियों को संस्कारित करते हैं। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस (1 अक्टूबर) यह अवसर देता है कि हम उनकी स्थिति सुधारने की दिशा में विचार करें और प्रयास करें।

अपनों के साथ को तरसते: घर कितना भी सुंदर क्यों न हो, उसकी असली रौनक तो बड़े-बूढ़ों से ही होती है। दादा-दादी की कहानियां, नाना-नानी के संस्कार और माता-पिता के आशीर्वाद, यही तो वह पूंजी है, जो परिवार को संपूर्ण बनाती है। लेकिन आज का कटु सत्य यह है कि जिनके कंधों पर बैठकर हमने तारों से सजा आकाश देखा था, उन्हीं के लिए हमारे घरों में जगह कम पड़ गई है।

बदलती जीवनशैली का प्रभाव: आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी, दूर-दराज शहरों और विदेशों में बसे बच्चों की व्यस्तता, आर्थिक दबाव और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं बुजुर्गों में बढ़ते एकाकीपन के बड़े कारण हैं। बेटे-बेटियां अपनी जिम्मेदारियों में उलझे रहते हैं और वृद्ध माता-पिता का स्थान धीरे-धीरे घर की परिधि से हटकर वृद्धाश्रमों की दीवारों में सिमट जाता है। आंकड़े बताते हैं कि वृद्धाश्रमों की संख्या लगातार बढ़ रही है, यह हमारे सामाजिक ताने-बाने की कमजोरी का स्पष्ट संकेत है। जिनकी अंगुली पकड़कर चलना सीखा, जिनकी गोद में बैठकर दुनिया देखी, आज वही अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेलेपन से घिरकर प्रतीक्षा करते हैं उस पल की, जब कोई उनसे पूछे, 'आप कैसे हैं?'

संस्कारों का क्षरण: भारतीय संस्कृति में कहा गया है, 'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव।' हमारे यहां बुजुर्गों को अनुभवों का अक्षय स्रोत माना गया है। लेकिन बदलती जीवनशैली में जब 'संस्कार' की जगह 'सुविधाएं' और 'परंपरा' की जगह 'प्रौद्योगिकी' ने ले ली, तब रिश्तों की ऊष्मा धीरे-धीरे कम होने लगी। हम भूलते जा रहे हैं कि वृद्धजनों के अनुभव संकट की घड़ी में हमारे मार्गदर्शक हो सकते हैं। हमारे बच्चे संस्कारों का सबसे ज्यादा ज्ञान, दादा-दादी और नाना-नानी से ही पाते हैं, लेकिन आज हम उन्हें बोझ मानने लगे हैं।

हम समझें अपने दायित्व: हमें स्वयं से पूछना चाहिए, क्या हम अपने बुजुर्गों को उचित सम्मान, संवाद और अपनापन दे पा रहे हैं? हम कभी ना भूलें कि एक दिन हम सबको भी वृद्ध होना है। याद रखें, वृद्धजन हमारे परिवार की जड़ें हैं। यदि जड़ें ही सूख जाएंगी, तो शाखाएं भला कैसे हरी रह पाएंगी? यही समय है कि हम उनके हाथ थाम लें और उनकी आंखों में झांककर कहें, 'आप अकेले नहीं हैं, हम आपके साथ हैं।'

समाधान की राह

बुजुर्गों के समक्ष उपस्थित कई तरह की समस्याओं के समाधान के लिए आप यहां बताई जा रही कुछ बातों पर अमल कर सकते हैं।

- आप अपने वृद्ध माता-पिता से चाहे पास रहते हों या दूर, रोज कुछ पल बात करें। एक कॉल, एक संदेश ही उनके लिए जीवन का संबल बन सकता है।
- परिवार के बुजुर्ग सदस्य के अनुभवों को सुनें और उनकी उपस्थिति को महसूस कराएं।
- अपने बच्चों को शुरू से सिखाएं कि बुजुर्गों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है।
- मोहल्लों और समाज में ऐसे केंद्र शुरू होने चाहिए, जहां बुजुर्ग मिल-जुलकर संवाद कर सकें और अकेलेपन से बाहर आ सकें।

खबर संक्षेप

भगत सिंह जयंती पर कराई खेल प्रतियोगिताएं

रोहतक। गांव समचाना में भगतसिंह भगत सिंह विचार समिति के के तत्वाधान में शहीदे ए आज़म भगत सिंह की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भगत सिंह विचार समिति के प्रधान एवं महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के पूर्व प्रधान रणधीर कटारिया शामिल हुए। इन्होंने कहा की खेल केवल शारीरिक तंदुरुस्ती का माध्यम नहीं है। बल्कि आत्मविश्वास अनुशासन और टीम भावना को मजबूत करता है। कटारिया ने बताया की शहीदे आजम भगत सिंह युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत हैं। हमने उनके लिखे साहित्य और विचारों को पढ़ना चाहिए जीवन में आगे बढ़ने के लिए भगत सिंह को जानना बहुत जरूरी है।

हवन कर सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की

रोहतक। मां दानो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट की तरफ से संचालित विमल प्रसाद जैन एवं सुशीला देवी जैन फिजियोथैरेपी सेंटर पर नवरात्रि के इन पावन दिनों के अवसर पर हवन का आयोजन किया गया। जिसमें सेंटर पर आने वाले सभी मरीजों और गांव के लोगों ने आहुति डालकर भगवान से सभी को अच्छा स्वास्थ्य देने की कामना की। हवन के पश्चात डॉक्टर अरमान ने सभी मरीजों की जांच की और उन्हें उचित परामर्श दिया। इस फ्री कैंप में कुल 56 मरीजों ने पहुंचकर अपनी जांच करवाई।

त्योहारों पर स्वदेशी उत्पादों की करें खरीदी

रोहतक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से शुरू हुए सेवा पखवाड़े के अन्तर्गत सोमवार को महर्षि दयानंद विवि के डॉ. भीमराव अंबेडकर हाल में एक प्रबुद्धजन सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट रणबीर सिंह ढाका रहे । कार्यक्रम का आयोजन महर्षि दयानंद विवि के गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रो कुलताज सिंह ने किया।

हर्षित आर्ट ग्रुप ने सप्तमी पर की विशेष पूजा

रोहतक। सोमवार को हर्षित आर्ट ग्रुप द्वारा व सर्वजनिन दुर्गा उत्सव मंडल द्वारा यह भव्य झांकियों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर सप्तमी के शुभ दिन विशेष पूजा का आयोजन भी किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। झांकियों में धार्मिक और सांस्कृतिक दृश्य प्रस्तुत किए गए, जिसने सभी आगंतुकों का मन मोह लिया। ग्रुप द्वारा मंडल के संचालकों ने बताया कि आज दोपहर 1 बजकर 21 मिनट पर संधि पूजा का आयोजन किया जाएगा। यह पूजा विशेष महत्व की मानी जाती है। आयोजन की समय-सारणी के अनुसार, पूजा 1 बजकर 21 मिनट से शुरू होकर 2 बजकर 9 मिनट तक चलेगी। इस पूजा में 108 जोतों के साथ विशेष आराधना की जाएगी। संचालकों ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि इस विशेष अवसर पर अधिक से अधिक लोग उपस्थित होकर भाग लें और धार्मिक अनुष्ठानों का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि इस पूजा का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व अत्यधिक है और इसे देखकर श्रद्धालु अपने जीवन में सुख, समृद्धि और आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

छात्रों को तकनीकी विकास और नवाचार के लिए प्रेरित किया

बीएमयू में स्मार्ट हैकाथॉन का आयोजन छात्रों ने प्रस्तुत किए नवाचारपूर्ण विचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

बाबा मस्त नाथ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय और छात्र कल्याण विभाग द्वारा कुलपति प्रो. (डॉ.) एचएल वर्मा के मार्गदर्शन में स्मार्ट हैकाथॉन कार्यक्रम–2025 का एक दिवसीय आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों को तकनीकी विकास, नवाचार और रचनात्मकता की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 35 छात्रों ने भाग लिया जिन्हें 9 समूहों में विभाजित किया गया। प्रत्येक समूह ने समाज और तकनीकी क्षेत्र से जुड़ी वास्तविक समस्याओं पर आधारित अपने अभिनव विचार एवं समाधान प्रस्तुत किए।

यह मंच छात्रों के लिए अपनी रचनात्मकता, समस्या-समाधान क्षमता और टीम वर्क को प्रदर्शित करने का एक उत्कृष्ट अवसर साबित हुआ। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. अनिल कंवा, डॉ. चारु और डॉ. मनोज कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया और प्रस्तुत किए गए विचारों का गहन मूल्यांकन किया।

किया प्रेरित

इस प्रकार के मंच विधार्थियों में आत्मविश्वास का करते है संचार

निर्णायकों ने कहा कि ऐसे हैकाथॉन युवाओं को नवाचार के साथ-साथ व्यावहारिक सोच विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं, जो भविष्य के तकनीकी परिदृश्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। इंजीनियरिंग संकाय के डीन, प्रो. (डॉ.) मुकेश सिंगला ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों में आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपनी सीमाओं से बाहर निकलकर समाज की जटिल चुनौतियों के स्थायी समाधान खोजें। डॉ. बनीता ने कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया जबकि डॉ. राहुल ने विशेष सहयोग प्रदान किया। इसके अलावा डॉ. दीपिका, डॉ. नेहा, डॉ. कीर्ति, डॉ. सोमवीर आर्या और डॉ. राजीव सहित कई फैकल्टी सदस्य सक्रिय रूप से शामिल रहे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन समिति ने घोषणा की कि इस प्रतियोगिता का अंतिम परिणाम 1 अक्टूबर 2025 को घोषित किया जाएगा। परिणामों की घोषणा के साथ ही विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

प्रभु श्रीराम के प्रति शबरी की भक्ति को देखकर रोमांचित हो उठे दर्शक

रामलीला में लंका दहन का भव्य मंचन हनुमान ने लंका के राक्षसों को खूब नचाया

- *हनुमान जी के लंका में आग लगाते ही छटपटाने लगे राक्षस*
- *धू-धू जल रही लंका को देखकर क्रोध से तिलमिला उठा रावण*

मंचन में दिखाया गया कि राम-लक्ष्मण सीता की खोज करते हुए शबरी के आश्रम पहुंचते हैं। शबरी प्रभु को अपने झूठे बेर खिलाती हैं और उन्हें सुग्रीव से मिलने का मार्ग बताती हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

श्री रामलीला उत्सव कमेटी द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव एवं दशहरा मेला में सोमवार रात पुरानी आईटीआई ग्राउंड, सरकुलर रोड पर लंका दहन का ऐतिहासिक मंचन बड़े ही आकर्षक और भावपूर्ण ढंग से किया गया। यह मंचन रात 9 बजे से शुरू होकर मध्यरात्रि तक चला, जिसमें दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी। रामलीला का शुभारंभ रोहतक सांसद दीपेन्द्र हुड्डा, विधायक बीबी बत्तरा, समाजसेवी सुरेन्द्र जैन, कांग्रेस सेवादल के पूर्व अध्यक्ष राजीव गुगनानी, समाजसेवी राकेश गुगनानी, पठानिया स्कूल के निदेशक अंशुल पठानिया, रोटरी क्लब ऑफ सिटी के पूर्व अध्यक्ष अजय गुप्ता, उत्सव कमेटी के संरक्षक उद्योगपति राजेश जैन तथा प्रधान सुभाष तायल सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों ने संयुक्त रूप से किया। सभी ने मिलकर श्रीराम की संगीतमय महाआरती भी की।

कार्यक्रम में मंच संचालन सतीश भारद्वाज व विजय गुप्ता बाबा ने किया। इस अवसर पर आकाश में धूमकेतु तारा छोड़ा गया, जिसने वातावरण को और भी दिव्य बना दिया।

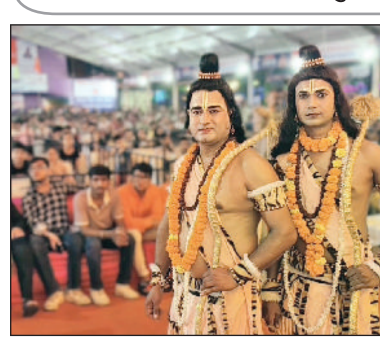

रामलीला में इनकी रही उपस्थित

इस अवसर पर प्रधान सुभाष तायल, शंकर लाल मित्तल, सुशील मंगला, सोनू जैन, नवीन बंसल, राकेश खुराना, संदीप गुप्ता, अंकित बंसल, अजेश गुप्ता, पवन विरमानी, जयभगवान ऐरन, रमेश रोहिल्ला, विपिन गोयल, गुलशन निझावन, वरुण सिंगल, अमर अरोड़ा, मनोज जिंदल, मीडिया प्रभारी राजीव जैन, सुरेन्द्र बल्ली, अनिल बंसल, रामकुमार पंचाल, अमित गुप्ता, सन्नी निझावन, शीतल, विकास दलाल, अंकित गर्ग, योगेश अरोड़ा, वरुण शर्मा, नरेश शर्मा, राजन गुप्ता, दिनेश तायल, प्रेम गर्ग, मनीष जैन, विकास कंसल, उमा गोयल, संतोष, आशा गर्ग, बृजबाला गुप्ता, मीना सिंगल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बाली के वध के मंचन से सभी का मन मोहा

रोहतक। पुराना बस स्टैंड स्थित लोकल रामलीला ग्राउंड में श्री प्राचीन रामलीला सोसायटी द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव में सोमवार को सुग्रीव-राम मित्रता और बाली वध का मनमोहक मंचन किया गया। इस अवसर पर कलाकारों ने प्रभावशाली अभिनय के जरिए रामायण के इस महत्वपूर्ण प्रसंग को जीवंत कर दिया। मंचन में दिखाया गया कि सीता की खोज में भटकते भगवान श्रीराम और लक्ष्मण की मुलाकात किष्किंधा के राजा सुग्रीव से होती है। सुग्रीव, अपने भाई बाली के अत्याचारों से दुखी होकर श्रीराम से सहायता की गुहार लगाते हैं। रामजी मित्रता का वचन देते हुए बाली वध का संकल्प लेते हैं। तत्पश्चात राम के बाण से बाली का वध किया जाता है और सुग्रीव को किष्किंधा का राजपद प्राप्त होता है। इस प्रसंग को दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सराहा। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि रोहतक के मेयर रामअवतार वाल्मीकि, मुक्ता नागपाल, अनिता शंकर गर्ग और रमेश बोहर आदि उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

काव्यगोष्ठी से बेटियों को निडरता का संदेश

रोहतक। स्पंदन संस्थान द्वारा नवरात्रि के अवसर पर एक विशेष काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें बेटियों को समाज में समान अधिकार और निडरता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता किड्स पैराडाइज स्कूल की प्रिंसिपल पूजा मलिक ने की, जबकि मंच संचालन डॉ. निधि राठी ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में बहादुरगढ़ से पधारी कीर्ति चुघ ने अपने विचार साझा किए और युवाओं को सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़े रहने और नए कौशल सीखने की आवश्यकता पर बल दिया। पूजा मलिक ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में स्पंदन संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी संस्कृति को आगे ले जाने में पूरी तरह सक्षम है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से समाज में बेटियों के अधिकार और निडरता का संदेश प्रस्तुत किया।

युग ने जूडो प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

रोहतक। सीबीएसई द्वारा सोनीपत में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय स्कूली खेल प्रतिस्पर्धा में सांगवान इंटरनेशनल स्कूल के छात्र युग ने जूडो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। कक्षा छठीं के युग ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के बल पर यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। युग की इस जीत ने न केवल विद्यालय का गौरव बढ़ाया, बल्कि शिक्षकों और अभिभावकों के लिए भी गर्व का क्षण साबित हुआ। उनके समर्पण और खेल के प्रति जुनून ने उन्हें राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाई। विद्यालय प्रबंधक राजेश सांगवान, प्रधानाचार्या मनीषा सांगवान और विद्यालय समन्वयक प्रमिला सांगवान ने युग को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर छात्र न केवल अपनी शारीरिक क्षमता और खेल कौशल को निखारते हैं, बल्कि अनुशासन, मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास भी विकसित करते हैं।

मानव उत्थान सेवा समिति ने दिया स्वच्छता का संदेश

रोहतक। मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वावधान में सेवा पखवाड़े के अंतर्गत स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस वर्ष भी जैसे पिछले वर्षों में किया जाता रहा, यह अभियान समाजसेवी सतपाल महाराज की प्रेरणा और पूज्य विभु महाराज के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। स्वच्छता अभियान की शुरुआत सुबह 8 बजे मानव धर्म आश्रम नजदीक रुपया चौक से हुई और शिवाजी कॉलोनी पुलिस थाना तक अभियान जारी रहा। इस अवसर पर जिला रोहतक नगर निगम के मेयर राम अवतार वाल्मीकि तथा भाजपा के पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर के भाई पवन आहूजा भी शामिल हुए। अभियान में मानव सेवा दल के मंडल सलाहकार कृष्ण कुमार, मंडल प्रशिक्षक दीपक कुमार, उप जिला प्रमुख सूर्य प्रकाश, जिला संयोजक रोहतास, भंडारा प्रधान राजेंद्र, स्वयंसेवक परमजीत, राजरानी, केला देवी सहित सैकड़ों स्वयंसेवक और यूथविंग के बच्चे हिमांशी, मीनाक्षी, प्रदीप, आस्था आदि उपस्थित रहे।

विद्यालय में नवरात्रि डांडिया डांस उत्सव का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

नवरात्रि के पावन अवसर पर शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोहाना रोड में बच्चों ने डांडिया डांस प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के तत्वावधान एवं हिंदू शिक्षा समिति द्वारा संरक्षित इस विद्यालय में नर्सरी से प्रथम कक्षा तक के बच्चों ने पारंपरिक परिधानों में सजकर गरबा और डांडिया की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। पूरे विद्यालय का वातावरण भक्ति, उल्लास और उत्साह से गूंज उठा।

प्रधानाचार्य का संदेश

विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि छोटे बच्चों में भारतीय संस्कृति के प्रति इतना उत्साह और लगाव देखकर हृदय आनंदित हो जाता है। इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों की प्रतिभा को निखारते हैं और उनमें सामाजिक जुड़ाव, टीमवर्क व अनुशासन की भावना का विकास करते हैं। कार्यक्रम संयोजिका आदेश राजपाल ने कहा कि नवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और शक्ति का प्रतीक है। ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास पैदा करते हैं।

एमडीएन स्कूल में डांडिया नाइट की रही धूम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

एमडीएन पब्लिक स्कूल में नवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत डांडिया नाइट का भव्य एवं रंगारंग आयोजन किया गया। सायंकालीन कार्यक्रम में पूरे विद्यालय का वातावरण उल्लास, संगीत और नृत्य से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक रेनु नरवाल और प्रधानाचार्या मिस मीनू टहल्यानी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और दुर्गा आरती से किया गया। इस अवसर पर बच्चों और स्टाफ ने माता दुर्गा की आराधना कर कार्यक्रम की सफलता की कामना की।

कार्यक्रम की विशेषताएं

इस आयोजन में लाइव डीजे संगीत, स्वादिष्ट व्यंजन, डांडिया नृत्य, रैम्प वॉक और अन्य मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं। उपस्थित विद्यार्थियों और अभिभावकों ने गरबा और डांडिया की लय पर थिरकते हुए भारतीय परंपरा और संस्कृति का आनंद लिया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और प्रतिभागियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर सम्मानित किया गया।

शानदार प्रस्तुति

⏭ सर्वश्रेष्ठ युगलः-सिमरन एवं चिराग गुलाटी ⏭ सर्वश्रेष्ठ ऊर्जावान प्रस्तुतिः-स्नेहा गौरव ⏭ सर्वश्रेष्ठ डांडिया नृत्यः-मयंक एवं अनु शर्मा ⏭ सर्वश्रेष्ठ डांडिया वॉकःअनुष्का ⏭ आत्मविश्वासी प्रतिभागीः रेनू फौगाट

विद्यालय प्रबंधन का संदेश

प्रधानाचार्या मिस मीनू टहल्यानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह आयोजन भारतीय संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को परंपरा से जुड़े रहने और सांस्कृतिक मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया।

50 मीटर में विकास ग्रेवाल को मिला स्वर्ण पदक

एमडीयू के खेल परिसर में तैराकी प्रतियोगिता में जाट कॉलेज के दिग्विजय सिंह का दबदबा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

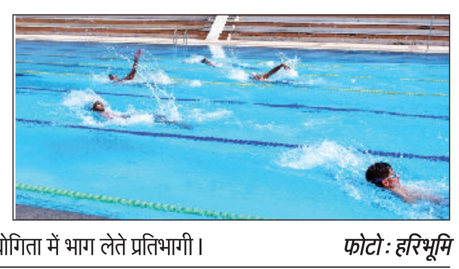

रोहतक। एमडीयू के खेल परिसर में इंटर कॉलेज तैराकी प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी। *फोटो : हरिभूमि*

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के खेल परिसर में सोमवार को इंटर कॉलेज तैराकी प्रतियोगिता की शुरुआत जोश और उत्साह के साथ हुई। खेल निदेशिका एवं एमडीयू खेल परिषद की सचिव डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस मौके पर नेकी राम कॉलेज रोहतक के फिजिकल एजुकेशन प्राध्यापक और राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता के गोल्ड मेडलिस्ट डॉ. राजेश शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। दोनों ने खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में सहायक खेल निदेशक डॉ. तेजपाल, खेल प्रशिक्षक, प्रतिभागी टीमों के इंचार्ज और खिलाड़ी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न इवेंट्स में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बैक स्ट्रोक 50 मीटर में राजकीय महाविद्यालय झज्जर के उद्यम सिंह पहले स्थान पर रहे, जबकि जाट कॉलेज के दिग्विजय सिंह दूसरे और यूटीडी के विनय कुमार तीसरे स्थान पर रहे। वहीं बैक स्ट्रोक 200 मीटर में दिग्विजय सिंह ने बाजी मारते हुए पहला स्थान प्राप्त किया, यूटीडी के वरुण दहिया दूसरे और जाट कॉलेज रोहतक के वतन सिंह तीसरे स्थान पर रहे। फ्री स्टाइल 100 मीटर में भी दिग्विजय सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा में झज्जर के उद्यम सिंह दूसरे और यूटीडी के विनय तीसरे स्थान पर रहे। चार सौ मीटर फ्री स्टाइल में भी दिग्विजय सिंह का दबदबा देखने को मिला।

ये रहे परिणाम

ब्रेस्टस्ट्रोक 50 मीटर में गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज के विकास ग्रेवाल ने स्वर्ण पदक जीता। इस रेस में उद्यम सिंह दूसरे और यूटीडी के मोहित तीसरे स्थान पर रहे। ब्रेस्टस्ट्रोक 100 मीटर में एक बार फिर दिग्विजय सिंह ने पहला स्थान हासिल किया। झज्जर के उद्यम सिंह ने दूसरा और विकास ग्रेवाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर बटरफ्लाई में यूटीडी के विनय कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी क्षमता साबित की।

राम कथा जीवन का उद्धार करती हैः आचार्य

:रोहतक। शरदीय नवरात्रों के पावन अवसर पर हाउसिंग बोर्ड कालोनी सेक्टर-1 में संगीतमयी श्री राम कथा का भव्य आयोजन का सातवें दिन भक्तिमय समापन हुआ। कथा के अंतिम दिन श्रीधाम वृंदावन मथुरा से आए कथा व्यास आचार्य शिवम कौशिक ने सबसे पहले भगवान श्रीगणेश का पूजन कराकर और लगन लगा बैठे तुमसे और राम नाम संकीर्तन से पंडाल में बैठे सभी भक्तों को राम मय बना दिया। इस दौरान बच्चे, महिलाएं और बड़ी संख्या में लोग झूमते नजर आए। आचार्य कौशिक ने भक्तों से कहा कि इस दशहरें पर अपने अहंकार का नाश करना चाहिए। मन के अंदर बैठे अहंकार रूपी रावण का नाश करके ही भगवान की सच्ची कृपा पाई जा सकती है। कथा के अंतिम दिन आचार्य ने बताया कि भगवान हनुमान ने पवित्र रामेश्वरम पुल बना करके लंका तक सभी को पहुंचाया। वहां पहुंच करके हनुमान ने लंका दहन किया। तत्पश्चात भगवान श्री राम ने 11 हजार वर्षों तक राज किया।

जीवन में एक बार रामेश्वरम का दर्शन जरूर करें

श्री आचार्य ने कहा कि जीवन को सकारात्मकता के साथ ही जिए, तभी जीवन सुखमय होगा। किसी की गलतियों को बार-बार ना बताएं, कुछ गलतियों को नजर अंदाज करके ही और सकारात्मक सोच से ही खुद को और दूसरों के हृदय को परिवर्तित किया जा सकता है। मथुरा से आईं बृजनंदिनी किशोरी ने भक्तों से कहा किराम को पाना चाहते हो तो वो अनुराग से मिलेंगे।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
❖ ICU Staff 6
❖ PRO/Marketing Executive 6
❖ MRI Technician 2
❖ Computer Operator (Male) 2
❖ Computer Operator (Female) 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

hartron ISO 9001 : 2015
Enhance your talent...
HARTRON
SKILL CENTRE For
Computer Education & Training
M.7206002575, 8929411222
Above IDBI Bank, Power House, Chowk, Rohtak
ADMISSION OPEN-2025

Sr. No.	Name of Course	Course Duration
1.	Computer Hardware and Networking Associate	52 (Weeks)
2.	Course In Computer Application	52 (Weeks
3.	Course in Digital Accounting	52 (Weeks
4.	Course in Designing and Publishing	52 (Weeks
5.	Course in Web Technology	52 (Weeks
6.	Course in Software Development	52 (Weeks
7.	Advanced Course in Computer Application	52 (Weeks
8.	Digital Marketing Assistant	26 (Weeks
9.	Software Or Application Testing Assistant	26 (Weeks
10.	Assistant PHP Developer	26 (Weeks)
11.	Hardware Peripheral and Installation Assistant	26 (Weeks
12.	Application Development -Android	26 (Weeks
13.	Course in IT Foundation and Tools	26 (Weeks
14.	Certificate Course in Computer Basics & Accounting	26 (Weeks)
15.	Certificate Course in Web Designing and Multimedia	26 (Weeks
16.	C Language	04 (Weeks
17.	C Plus Plus With Oops	08 (Weeks)
18.	PHP With Mysql	04 (Weeks)
19.	Core Java	06 (Weeks
20.	Advance Java	08 (Weeks
21.	Financial Accounting	06 (Weeks)
22.	Autocad	08 (Weeks)
23.	Fundamentals of Cyber Security	06 (Weeks)
24.	Programming with Python	12 (Weeks)
25.	Fundamentals of Computer	12 (Weeks)

मानव कल्पना को जीवित रखते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करें : प्रो. उमेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ कार्यशाला के पहले दिन 120 छात्रों ने लिया भाग

दादा लखमी चंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय (डीएलसी सुपवा) के डिज़ाइन संकाय 29-30 सितंबर, 2025 को सेमिनार हॉल, आर्किटेक्चर ब्लॉक में तैयारी और उन्नति के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। यह कार्यशाला कुलपति डॉ. अमित आर्य और रजिस्ट्रार डॉ. गुंजन मलिक मनोचा के संरक्षण में आयोजित की जा रही है, जिसमें प्रोफ़ेसर उमेश आर्य, डीन एवं अध्यक्ष, मीडिया अध्ययन संकाय, जीजेयूएसटी, हरियाणा, संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित थे।

डीएलसी सुपवा ने भविष्य की तैयारी के लिए कार्यशाला का आयोजन किया

प्रोफ़ेसर आर्य ने छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का एक गहन अवलोकन प्रदान किया, जिसमें इसकी उत्पत्ति, इतिहास, वर्तमान उपकरण, वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग और विभिन्न उद्योगों में भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया। इंटरेक्टिव अभ्यासों के माध्यम से, छात्रों को पेरप्लेक्सिटी, चैटजीपीटी, जेमिनी और नोटबुक एलएम जैसे अग्रणी एआई टूल्स का व्यावहारिकअनुभव प्राप्त हुआ। उन्होंने स्व-शिक्षण और निरंतर कौशल विकास के महत्व पर ज़ोर दिया और छात्रोंसे तकनीकी प्रगति के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए स्वतंत्र रूप से एआई का अन्वेषणकरने का आग्रह किया। इसकी क्षमता पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने यह भी आगाह किया कि एआई पर अत्यधिक निर्भरता कल्पनाशीलता और आलोचनात्मक सोच को कमज़ोर कर सकती है। छात्रों और पेशेवरों के लिए असली चुनौती केवल एआई का उपयोग करना सीखना नहीं है, बल्कि यह सीखना है कि इससे कैसे आगे बढ़ा जाए इसे नवाचार के उत्प्रेरक के रूप में उपयोग करते हुए कल्पनाशीलता, जिज्ञासा और ज्ञान जैसी विशिष्ट मानवीय क्षमताओं को जीवित रखना है।

डीएलसी सुपवा अपने छात्रों को बदलते डिजिटल परिदृश्य के लिए तैयार करने के लिए प्रतिबद्धः वीसी

कुलपति डॉ. अमित आर्य ने कहा डीएलसी सुपवा अपने छात्रों को तेज़ी से बदलते डिजिटल परिदृश्य के लिए तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कार्यशाला न केवल एआई को समझने के बारे में है, बल्कि रचनात्मक और पेशेवर संदर्भों में ज़िम्मेदारी से इसका उपयोग करने का आत्मविश्वास पैदा करने के बारे में भी है। कार्यशाला के पहले दिन फैशन और लाइफस्टाइल डिज़ाइन विभाग के लगभग 120 छात्रों ने भाग लिया। दूसरे दिन फैशन डिज़ाइन और उत्पाद डिज़ाइन के छात्र शामिल होंगे। इन सत्रों ने शैक्षणिक और रचनात्मक परियोजनाओं में एआई अवधारणाओं को लागू करने के इच्छुक शिक्षार्थियों में उत्साह जगाया। कार्यशाला समन्वयक अतहर अली ने कहा डिज़ाइन एकेडेमिया और रिक्रिएशन क्लब ने हमारे छात्रों को एआई की परिवर्तनकारी क्षमता से परिचित कराने के लिए यह पहल की। इसे मिली ज़बरदस्तप्रतिक्रिया दर्शाती है कि अगली पीढ़ी डिज़ाइन सोच को तकनीकी नवाचार के साथ मिलाने के लिए कितनी उत्सुक है।

पेयजल संकट गहरायाः शहरवासी बेहाल, नई पाइपलाइन का इंतजार

पुरानी पाइप लाइनें और टूटी नालियां समस्या की जड़, टिटोली में भी संकट

जन स्वास्थ्य विभाग के शिकायत निवारण पोर्टल पर रोज औसतन 25 शिकायतें रही

■ दरियाव नगर, गांधी कैंप, विशाल नगर, जींद रोड, सलारा मोहल्ला और भरत कॉलोनी में भी जलापूर्ति गंभीर रूप से प्रभावित है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पानी की लगातार बढ़ती समस्या ने नागरिकों की परेशानियों को चरम पर पहुंचा दिया है। कमला नगर में नलों से पीला और बदबूदार पानी निकल रहा है, वहीं गांधी कैंप और रामनगर में हफ्तों तक टोंटियां सूखी रहती हैं। शहर के पुराने हिस्सों में दशकों पहले बिछाई गई पाइपलाइनें अब पूरी तरह जर्जर हो चुकी हैं। जगह-जगह टूटी पाइपलाइनों के कारण या तो पानी दूषित हो जाता है या सप्लाई कई दिनों तक बंद रहती है।

टैंकर ही एकमात्र विकल्प

जन स्वास्थ्य विभाग के शिकायत निवारण पोर्टल पर रोजाना औसतन 25 से अधिक शिकायतें केवल पानी की समस्या को लेकर दर्ज की जा रही हैं। इनमें सबसे अधिक शिकायतें पुराने शहर के क्षेत्रों से आती हैं। टिटोली गांव में भी पेयजल संकट जारी है और ग्रामीणों ने कई बार प्रदर्शन कर अपनी आवाज उठाई है। आदर्श नगर के निवासी नरेश खन्ना ने बताया कि कॉलोनी में पानी की सप्लाई केवल 12 से 20 मिनट ही मिल रही है।

इसी तरह दरियाव नगर, गांधी कैंप, विशाल नगर, जींद रोड, सलारा मोहल्ला और भरत कॉलोनी में भी जलापूर्ति गंभीर रूप से प्रभावित है। जलघर-1 के अंतर्गत आने वाली कॉलोनियों में सीवरेज लीकेज के कारण नलों से गंदा पानी सप्लाई हो रहा है। कृष्ण कॉलोनी, महावीर कॉलोनी, पुराना हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी और डेयरी मोहल्ला के निवासी तीसरे दिन ही पानी नसीब होने की बात कह रहे हैं। रैनकपुरा और खोखराकोट क्षेत्र में पानी की सप्लाई के लिए टैंकर ही एकमात्र विकल्प बन चुके हैं।

भिजवाए जाते है टैंकर

पुराने शहर में पुरानी पाइपलाइन के चलते समस्या होती है। लेकिन उसका टीम द्वारा समाधान कर दिया जाता है। लेकिन अन्य जगहों पर पानी के टेंकर भी भिजवाए जाते है। आमजन तक पानी जरूर जाता है। जल्द ही समस्या के समाधान के लिए कदम उठाए जा रहे है। आमजन को पानी के लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

-अनिल कुमार, एसडीओ, जनस्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग

मजबूरी में बोतलबंद पानी खरीदकर पीना पड़ रहा

स्थानीय लोग बताते हैं कि नलों से आने वाला पानी पीने लायक नहीं है और इससे बच्चों की सेहत पर खतरा मंडरा रहा है। मजबूरी में लोग बोतलबंद पानी खरीदकर जीवन यापन कर रहे हैं, जबकि यह आम आदमी के लिए रोजाना संभव नहीं है। टैंकर मंगाना महंगा और असुविधाजनक विकल्प है।अजय कुमार ने कहा, धरना-प्रदर्शन और अधिकारियों से लगातार गुहार लगाने के बावजूद समस्या स्थायी रूप से हल नहीं हुई। कुछ दिन राहत मिलती है, लेकिन फिर वही स्थिति दोहराई जाती है। केवल नई पाइपलाइन ही समाधान है।

नई पाइपलाइन बिछाने पर ही हो पाएगा स्थाई समाधान

विभाग की मरम्मत व्यवस्था नाकाफी नगर निगम और जन स्वास्थ्य विभाग समय-समय पर मरम्मत कार्य करते हैं, लेकिन यह अस्थायी उपाय साबित हो रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि टूटी और जर्जर पाइपलाइनें ही शहर में पानी की लगातार समस्या की मूल वजह हैं। नलों से दूषित पानी सप्लाई स्वास्थ्य संकट का रूप ले रहा है। शहरवासियों का कहना है कि पानी की समस्या के लिए स्थायी हल केवल नई पाइपलाइन बिछाने में ही है। वहीं अधिकारी नियमित मरम्मत के अलावा केवल अस्थायी सुधार कर पा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी चेतावनी दे रहे हैं कि दूषित पानी से विभिन्न बीमारियां फैल सकती हैं और बच्चों एवं बुजुर्गों के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं। पेयजल की समस्या के कारण लोगों को इधर उधर भटकना पड़ रहा। शहर के अधिकतर लोग नलकों का पानी पी रहे हैं।

चंडीगढ से पहुंचे अधिकारी भी कर चुके है दौरा

चंडीगढ से पहुंचे अधिकारियों ने भी दो दिन पहले शहर का दौरा किया था। क्योंकि लगातार हो रहा दूषित पेयजल सप्लाई की आवाज चंडीगढ तक पहुंची थी। इसके लिए जल्द ही विभाग अपना प्लान तैयार करने जा रहा है। ताकि लोगों को साफ पानी उपलब्ध हो सके।

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में गांधी जयंती और दशहरा पर रंगारंग कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में गांधी जयंती और दशहरा के पावन अवसर पर सोमवार को विशेष सांस्कृतिक सभा का आयोजन किया गया। विद्यालय का वातावरण उल्लास, देशभक्ति और सांस्कृतिक रंगों से भर उठा। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य और नाट्य अभिनय के माध्यम से दोनों पर्वों के महत्व को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंद

गांधी जयंती की झलकः विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत गांधी जी के जीवन पर आधारित गीतों और नृत्यों ने सत्य, अहिंसा और सादगी का संदेश उपस्थित सभी के हृदयों में उतार दिया। बच्चों ने अहिंसा, समानता और महिलाओं के प्रति सम्मान जैसे आदर्शों को मंच पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।दशहरे के उपलक्ष्य में माता सीता के अशोक वाटिका में होने वाले घटनाक्रम और राम-रावण युद्ध का नाट्य मंचन आयोजित किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। अभिनय और संवाद अदायगी के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि बुराई कितनी भी प्रबल क्यों न हो, अच्छाई की विजय शाश्वत है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रावण दहन रहा, जिसे विद्यालय के डायरेक्टर सुरेंद्र मलिक ने किया। रावण दहन के समय पूरे विद्यालय परिसर में जय श्री राम के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। प्रधानाचार्या डॉ. ममता मलिक ने बच्चों एवं अभिभावकों को विजयदशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गांधी जयंती और दशहरा हमें सत्य, अहिंसा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। डॉ. ममता मलिक ने कहा कि रामायण के आदर्श जीवन से यह सीख मिलती है कि कठिन परिस्थितियों में भी धर्म का पालन करना आवश्यक है। यदि हम गांधी के आदर्शों और रामायण की शिक्षाओं को अपनाएंगे, तो समाज और राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल होगा।

जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र में धूमधाम से मनाई शहीद भगत सिंह की जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहीद भगत सिंह युवा ब्रिगेड टीम हरियाणा द्वारा शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती जाट धर्मशाला, कुरुक्षेत्र में हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. कृष्ण श्योकंद, प्रधान अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला ने की, जबकि मंच संचालन सतबीर कौशिक ने संभाला। इस अवसर पर कई जानी-मानी हस्तियां उपस्थित रहीं, जिनमें संयोजक करतार पहलवान, पूर्व चांसलर रामपाल सिंह, संत गोपाल दास, प्रो. संतोष दहिया, किसान नेता गुरुनाम सिंह, मलिक प्रमुख रहे। इसके अतिरिक्त देवेन्द्र मोर, गौरव मदान, दीपक तेवतिया, हेमंत, हिमांशु, सुरेन्द्र जिंद, सुषमा, लोकेश सरपंच, शैलेन्द्र सहित अन्य

गणमान्य व्यक्ति भी समारोह में शामिल हुए।

भगत सिंह का जीवन देशभक्ति, त्याग और सच्चाई का प्रतीकः वक्ताओं ने शहीद भगत सिंह के अदम्य साहस, विचारों और आदर्शों को युवाओं तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भगत सिंह का जीवन देशभक्ति, त्याग और सच्चाई का प्रतीक है और युवाओं को उनके संघर्ष से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर समाज में देशभक्ति की भावना को सशक्त बनाने का आह्वान भी किया गया।

पठानिया स्कूल में तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन

लगभग 250 विद्यार्थियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पठानिया पब्लिक स्कूल में सोमवार को भव्य तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का संचालन मनदीप बुधवार के निर्देशन में किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 2 से 5 तक के लगभग 250 विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी तैराकी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ उप-प्रधानाचार्या प्रीति ढांडा, सुनीता मोर एवं हैड मिस्ट्रेस सुमन राठी ने मुख्य अतिथि के रूप में किया।

स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया और प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। अंशुल पठानिया ने कहा कि तैराकी बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास के लिए सर्वश्रेष्ठ खेल है। अतः बच्चों को इस प्रकार की गतिविधियों में अवश्य भाग लेना चाहिए।

परिणाम

कक्षा 2: कृष्णा, प्रियांक, मानव, काशवी एवं अर्षिया-सर्वश्रेष्ठ
कक्षा 3: नायरा, वाण्या, जियाणा, पूर्वांश, ऋषभ एवं मिवान-सर्वश्रेष्ठ
कक्षा 4: युग, दिग्विजय, रेयांश नांदल, प्रणिका एवं अवनी-सर्वश्रेष्ठ
कक्षा 5: आरित पूनिया, रक्षित, नवजीत, गाव्या, शताक्षी एवं पिहू-सर्वश्रेष्ठ।

सैनी कॉलेज में रक्तदान और स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में सैनी कॉलेज रोहतक में सोमवार को रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 40 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, वहीं करीब 135 लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई।

सैनी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. भीम सिंह पवार ने कहा कि रक्तदान किसी की जिंदगी बचाने का सबसे पवित्र कार्य है। इससे न केवल जरूरतमंद की मदद होती है बल्कि युवाओं में सेवा और मानवता की भावना का विकास भी होता है। सैनी एजुकेशन सोसाइटी के प्रधान अवनीश कुमार सैनी ने कहा कि रक्तदान महादान है और रक्तदाता समाज का सच्चा सेवक होता है।

सोसाइटी के संरक्षक एवं दोनों कॉलेजों के प्रधान धर्म सिंह दहिया ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि नियमित स्वास्थ्य जांच कराते रहना और खान-पान में सुधार करना जीवन को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

जीएसटी पर कांग्रेस नहीं दिखा पाई हिम्मतः ग्रोवर

रोहतक। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत सोमवार को बाजारों में जीएसटी बचत उत्सव के मुद्दे को लेकर व्यापारियों और दुकानदारों के साथ बैठक की। ग्रोवर ने कहा कि कांग्रेस अपने शासन में जीएसटी जैसी व्यवस्था को धरातल पर पूरी ईमानदारी से लागू नहीं कर पाई, लेकिन देश के प्रधानमंत्री मोदी ने जीएसटी बचत उत्सव के तहत बड़े फैसले लेकर देश को मजबूत अर्थव्यवस्था की ओर आगे लेकर जाने का काम किया है। सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत पालिका बाजार और मेडिकल मोड़ के पास स्थित मार्केट में व्यापारियों और दुकानदारों से बातचीत करते हुए पूर्व मंत्री ग्रोवर ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने हमें रोकने की कोशिश की, लेकिन ना तो देश के प्रधानमंत्री झुके और ना ही देशवासी झुकने को तैयार हैं। साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ मोदी सरकार बड़े फैसले ले रही है। जीएसटी में जिस तरह की कटौती की गई है, इसका देश की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर नजर आने लगा है।

जांच शिविर अव्यवस्थित दिनचर्या से बढ़ रही बीमारियां

100 से अधिक पुलिस के जवानों का स्वास्थ्य जांचा

विश्व हृदय दिवस पर पुलिस लाइन में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

■ 29 सितंबर को मनाया जाता है विश्व हृदय दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विश्व हृदय दिवस के अवसर पर पुलिस द्वारा पुलिस लाइन में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुशल चिकित्सकों की टीम ने 100 से अधिक पुलिस अधिकारियों और जवानों के स्वास्थ्य की जांच की और उन्हें आवश्यक परामर्श भी दिया। पुलिस अस्पताल की ओर से समय-समय पर ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं, ताकि जवानों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें और वे जागरूक भी रह सकें।

विशेषज्ञ रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉ. अमन रोहिल्ला, डॉ. रोहित अरोड़ा, डॉ. बिक्रम गिल, डॉ. दिपेन्द्र वासन, डॉ. रामनीक भाटिया, डॉ. राहुल पुनिया, डॉ. जितेन्द्र और डॉ. जतिन अरोड़ा सहित कई चिकित्सक मौजूद रहे। फार्मासिस्ट हरेन्द्र कटारिया और उनकी टीम ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग किया।

ये जांच कीः शिविर में हृदय रोग, मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी, थायराइड, लिवर, ईसीजी, बीपी, शुगर, आंख, कान, गला, बीएमडी (हड्डियों में कैल्शियम की जांच) और पीएफटी (फेफड़ों की जांच) जैसी विस्तृत जांचें की गईं।

हृदय रोगी बढ़ रहे

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेन्द्र ने बताया कि अव्यवस्थित दिनचर्या, तनाव, गलत खान-पान और प्रदूषण जैसे कारणों से आज हृदय संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि अब यह समस्या सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं और यहां तक कि किशोरों में भी देखने को मिल रही है। उन्होंने आगे कहा कि पूरे विश्व में लोगों को हृदय रोगों के प्रति जागरूक करने और बचाव के उपायों पर प्रकाश डालने के लिए हर साल 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है। इस तरह के शिविर न केवल जांच और इलाज की सुविधा प्रदान करते हैं बल्कि जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दिखावे की बीमारी से ग्रसित हो गया समाजः मनीष

रोहतक। रेलवे रोड स्थित जैन स्थानक में सोमवार को महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह का आयोजन जैन संत मनीष मुनि, अतिमुक्त मुनि और अनुराग मुनि के सानिध्य में किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में धर्मप्रेमियों ने भाग लिया। समारोह में महाराजा अग्रसेन विकास ट्रस्ट के चेयरमैन राजेश जैन, अध्यक्ष सुशील गुप्ता, महासचिव शंकर लाल गर्ग, देशराज बंसल, मीडिया प्रभारी राजीव जैन, महिला विंग की अध्यक्षा मंजू गर्ग, लोकेश जैन, विनोद जिंदल, एसएस जैन सभा के अध्यक्ष नरेश जैन व मंत्री विनोद जैन सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जैन संत मनीष मुनि ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि आज अग्रवाल समाज दिखावे की बीमारी से ग्रसित है। विवाह जैसे आयोजनों में मात्र कुछ घंटों के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। कोरोना काल में खर्चों में कमी आई थी, लेकिन उससे भी कोई सीख नहीं ली गई। उन्होंने कहा कि दिखावे के कारण आम परिवार कर्ज के बोझ तले दब रहा है। मुनि ने सुझाव दिया कि विवाह दिन में होने चाहिए, जिससे खर्च स्वतः ही कम होगा।

गर्ल्स हॉस्टल में छात्राओं ने दी शानदार प्रस्तुतियां

रोहतक। महर्षि दयानन्द विवि के मेघना और यमुना गर्ल्स हॉस्टल में डांडिया नाइट का रंगारंग आयोजन किया या। इस अवसर पर छात्राओं ने बड़े उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। पूरे हॉस्टल परिसर में संगीत, नृत्य और उल्लास का ऐसा वातावरण बना जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में प्रो. सपना गर्ग, चीफ वार्डन (गर्ल्स हॉस्टल) एवं प्रो. प्रतिमा देवी, डिप्टी चीफ वार्डन (गर्ल्स हॉस्टल) ने विशेष रूप से उपस्थित होकर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। साथ ही, मेघना हॉस्टल की वार्डन सुनीता मल्हान और यमुना हॉस्टल की वार्डन डॉ. प्रियंका अपने-अपने सुपरवाइजर के साथ मौजूद रहीं और छात्राओं को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पारंपरिक गरबा और डांडिया नृत्य रहा। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी छात्राओं ने जब ताल पर कदम मिलाए, तो पूरा वातावरण सांस्कृतिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा।